इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय
Indira Gandhi National Tribal University
अमरकंटक (म.प्र.) || Amarkantak (MP)

प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी
कुलपति

19 अप्रैल, 2020

संदेश

भारतीय संसद द्वारा वर्ष 2007 में पारित अधिनियम द्वारा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना दिवस पर आप सभी सुहृदजनों को कोटिशः बधाई।

विद्या के इस मंदिर की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती को नमन, स्कन्दपुराण वर्णित रेवाखण्ड को नमन, शिवतनया मां नर्मदा को नमन, पुण्यतीर्थ अमरकंटक को नमन, मां नर्मदा की हथेली पर स्थायी रूप से निवास करने वाले मार्कण्डेय जी को नमन। मां नर्मदा तट पर रहकर शिव की आराधना करने वाले अद्वैत वेदान्त के उद्घोषक, अप्रतिम दार्शनिक, भारत की सांस्कृतिक एकता के साथ भौगोलिक एकता को समन्वित करने वाले आदि शंकराचार्य को नमन। काशी में गंगातट से आरम्भ की गई अपनी साधना यात्रा को और समृद्ध करने हेतु नर्मदा तट पर कुछ अवधि तक साधनारत रहे संत परम्परा में अग्रणी संत कबीर को नमन, जनजातीय समुदाय के महापुरुषों को नमन और उन सभी ज्ञात–अज्ञात शक्तियों को नमन जिनका पुण्य और प्रभाव इस विश्वविद्यालय को प्राप्त है।

इस विश्वविद्यालय की स्थापना के हेतु श्री कल्याण बाबा जैसे संत को नमन, इसे स्वरुप देने वाले सभी महानुभावों, मनीषियों और सत्तानायकों को नमन। 19 अप्रैल, 2008 को इस अंचल (रेवाखण्ड) में अवस्थित अलौकिक तीर्थस्थल अमरकंटक में आधारशिला रखे जाते समय सुअवसर का सौभाग्य प्रदान करने वाली विभूतियों – श्री अर्जुन सिंह, तत्कालीन मानव संसाधन मंत्री, भारत सरकार, डा. एच.एन. सुब्बाराव (सुविख्यात गांधीवादी), श्रीमती जमुना देवी, श्री दलपत सिंह परस्ते का स्मरण एवं वंदन। इस विश्वविद्यालय के शिल्पी और रचनाकार प्रथम कुलपति प्रो. सी.डी.सिंह को ध्यान करते हुए उन्हें इस पुनीत कार्य का श्रीगणेश करने के लिए बधाई। कुछ माह तक प्रभारी कुलपति का दायित्व निभाने वाले प्रोफेसर तीर्थेश्वर सिंह और लगभग छः वर्ष तक इस विश्वविद्यालय को कुलपति के रूप में नेतृत्व प्रदान करने वाले प्रोफेसर टी.वी.कट्टीमनी को साधुवाद। विश्वविद्यालय के "लोगो" के रचनाकर हैदराबाद के एम रमेश का भी मैं ध्यान करता हूँ, उन्हें नमन करता हूँ। विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा के सहभागी, सहयोगी और सहयात्री गण का अभिनन्दन तथा इसकी रचना और विकास प्रक्रिया के साक्षी रहे सभी महानुभावों/देवियों को साधुवाद एवं बधाई।

सतपुड़ा एवं विन्ध्य पर्वत श्रृंखला के संधि स्थल पर विद्यमान मैकल पर्वत शिखर पर सतत प्रवाहित मां नर्मदा की आंचल की छत्रछाया में अवस्थित, जोहिला, सोनभद्र एवं अरण्डि नदियों से अलंकृत तथा शाल के वन से चतुर्दिक परिवेष्ठित भारत की मूल प्राकृतिक परम्परा को सहेज कर रखने वाले गोंड़, बैगा, पनिका, कोल और अगरिया जैसे जनजातीय समुदाय से निवस्थित क्षेत्र में अवस्थित यह विश्वविद्यालय विश्व में अपने प्रकार का विलक्षण विश्वविद्यालय है जहां पहली कक्षा से लेकर अनुसंधान के स्तर तक ज्ञान–विज्ञान की सभी विधाओं की सम्यक शिक्षा देने की व्यवस्था है। किसी भी प्रकार

Amarkantak, District – Anuppur, Madhya Pradesh, PIN 484887
Phone : 07629 269710 || Fax 07629 269712 || eMail : vc@igntu.ac.in || website :www.igntu.ac.in

Scanned by CamScanner

के प्रदूषण से मुक्त इस विश्वविद्यालय के परिसर में गौरैया, तोता, मैना, काक जैसे विभिन्न प्रकार के पक्षियों की प्रजातियां पर्याप्त मात्रा में हैं तो गुलबकावली, पारिजात, अपराजिता, शिकाकाई, विदारीकन्द, अकरकरा, शिवलिंगी, अनन्तमूल और पुनर्नवा जैसे विशिष्ट प्रकार की वनोषौधियों से समृद्ध है।

154.144 हेक्टेयर भूभाग की परिधि में निर्मित एवं विन्यसित इस विश्वविद्यालय में वर्तमान में 3744 छात्र एवं छात्राएं हैं जिससे यह विश्वविद्यालय स्पन्दित है। इनमें से अधिकांश विद्यार्थी गोविंद गुरु बालक छात्रावास, ओ.बी.सी. बालक छात्रावास, रानी दुर्गावती कन्या छात्रावास, ओ.बी.सी. कन्या छात्रावास एवं सोन शोध छात्रावास में रहकर विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हैं। इस विश्वविद्यालय में 12 संकाय हैं यथा – वाणिज्य एवं प्रबन्ध संकाय, पत्रकारिता एवं जनसंचार संकाय, संगणक विज्ञान संकाय, भू–विज्ञान संकाय, शिक्षा संकाय, मानविकी एवं भाषा शास्त्र संकाय, फार्मेसी संकाय, सामाजिक विज्ञान संकाय, विज्ञान संकाय, जनजातीय अध्ययन संकाय, योग विज्ञान संकाय और तकनीकी, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल प्रशिक्षण संकाय और 30 विभाग हैं यथा – व्यावसायिक प्रबन्धन विभाग, वाणिज्य विभाग, पर्यटन प्रबन्धन विभाग, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, संगणक विज्ञान विभाग, भूगर्भ शास्त्र विभाग, भूगोल एवं क्षेत्रीय विकास विभाग, शिक्षा शास्त्र विभाग, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग, हिन्दी विभाग, फार्मेसी विभाग, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, दर्शन शास्त्र विभाग, अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग, अर्थशास्त्र विभाग, इतिहास विभाग, राजनीति विज्ञान एवं मानवाधिकार विभाग, समाजशास्त्र एवं सामाजिक नृशास्त्र विभाग, समाज कार्य विभाग, वनस्पति विज्ञान विभाग, जैवप्रौद्योगिकी विभाग, रसायन विज्ञान विभाग, पर्यावरण विज्ञान विभाग, प्राणिविज्ञान विभाग, गणित विभाग, सांख्यिकी विभाग, भौतिक विज्ञान विभाग, जनजातीय कला, संस्कृति एवं जनजातीय अध्ययन विभाग, भाषा विज्ञान एवं जनजातीय भाषाओं का व्यतिरेकी अध्ययन विभाग, योग विज्ञान विभाग और तकनीकी, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल प्रशिक्षण विभाग हैं। विश्वविद्यालय के मणिपुर परिसर में पांच विभाग (राजनीति विज्ञान एवं मानवाधिकार विभाग, समाज कार्य विभाग, संगणक विभाग, समाजशास्त्र एवं सामाजिक नृशास्त्र विभाग और जनजातीय अध्ययन विभाग) संचालित किये जा रहे हैं। छात्र–छात्राओं कों विभिन्न विषयों के 165 शिक्षकों के द्वारा पुरातन और अधुनातन ज्ञानबोध कराने के साथ ही परम्परा, संस्कृति और संस्कार तथा ज्ञान–विज्ञान सम्बन्धी विभिन्न विधाओं और विषयों की व्यवस्थित जानकारी दी जाती है और जीवन पथ पर सुगमतापूर्वक एवं सफलतापूर्वक चलने के लिए दक्ष बनाया जाता है जिससे कि वह यहां से निकलकर आत्मनिर्भर बनें, सत्ता–व्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व की क्षमता अर्जित करें, समाज, राष्ट्र और मानवता की सेवा करें।

यहां की ऋतुएं बहुधा शीतकाल का बोध कराती हैं और जब कभी गर्मी का आभास होने लगता है मेघमण्डल हवा के झोकों के साथ मिलकर उष्माधिक्य पर विराम लगा देते हैं। इसलिए यहॉ ताप की अनुभूति नहीं होती। यह पूर्णतः शांति के परिवेश में व्यवस्थित शांत क्षेत्र है जहां चिन्तन, मनन, ध्यान और अनुसंधान में व्यक्ति बरबस लीन हो जाता है। यह विश्वविद्यालय वैश्विक ज्ञान व्यवस्था की धरोहर, ज्ञान परम्परा का संवाहक और

Scanned by CamScanner

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय
Indira Gandhi National Tribal University
अमरकंटक (म.प्र.) || Amarkantak (MP)

प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी
कुलपति

ज्ञान–वितान का विस्तारक है। राष्ट्रीय स्तर पर अत्यन्त महत्वपूर्ण इस विश्वविद्यालय का लक्ष्य इस अंचल को विकास की मुख्य धारा में लाकर ज्ञान–विज्ञान और अध्यात्म के सतत अनुशीलन द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का मानक विश्वविद्यालय बन जाना है।

इस क्षेत्र में अवस्थित जनजातीय संस्कृति, कला–कौशल और ज्ञान का संरक्षण करते हुए उसका आधुनिक ज्ञान के साथ समायोजन करना और उसका लाभ निरंतर समाज को देना तथा आधुनिक शिक्षा व्यवस्था की उपलब्धियों को इस समाज तक पहुंचाना हमारा प्रमुख ध्येय है। इस विश्वविद्यालय में जितने लोग भी कार्यरत हैं, शिक्षक के रूप में, अधिकारी के रुप में, कर्मचारी के रूप में उन सबको विशेष बधाई। हमें यह ध्यान रखना है कि यह हमारी कर्मभूमि है, यह हमारी मर्मभूमि है और यह हमारी आजीविका की भूमि है। हमें इसके प्रति सदैव कृतज्ञ भाव रखना है, इसके विकास के लिए संकल्पित और सक्रिय रहना है। हमारे सभी विद्यार्थियों को बधाई जिनके लिए यह विश्वविद्यालय स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय को समुचित सुरक्षा तंत्र प्रदान करने वाले प्रहरियों को बधाई और अन्य प्रकार की सेवा में लगे सभी कर्मियों को बधाई जिनके कारण यहां किसी प्रकार का अभाव नहीं दिखाई देता। इस अंचल के सभी निवासियों को बधाई जिनके सौभाग्य और पुण्य से विश्वविद्यालय की स्थापना हुई है। आइये हम सभी मिलकर चिरकाल तक आने वाली पीढ़ियों को ज्ञान के प्रकाश से आलोकित करने वाली इस महान संस्था को नमन करें, इसके निरंतर अभ्युदय हेतु मां नर्मदा का नमन करें। आप सभी को बहुत–बहुत बधाई तथा आप सभी के सुखद, सफल एवं उज्ज्वल भविष्य के लिये अनेकानेक शुभकामनाएं।

(प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी)

Amarkantak, District – Anuppur, Madhya Pradesh, PIN 484887
Phone : 07629 269710 || Fax 07629 269712 || eMail : vc@igntu.ac.in || website :www.igntu.ac.in

Scanned by CamScanner